चीन का स्टेपल्ड वीज़ा

प्रलिम्सि के लयि:

स्टेपल्ड वीज़ा, मैकमोहन लाइन, वास्तवकि नयिंत्रण रेखा (LAC)

मेन्स के लयि:

स्टेपल्ड वीज़ा की अवधारणा, अरुणाचल प्रदेश, दक्षणिी तबि्बत का क्षेत्र होने का चीन का एकतरफा दावा।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत ने **चीन के चेंगदू में ग्रीष्मकालीन वर्ल्ड यूनवर्सिटी गेम्स से अपने आठ-एथलीट ('वुशु' मार्शल आर्ट एथलीट्स का दल)** को वापस बुला लयिा है। **चीन द्वारा भारतीय टीम के तीन एथलीट्स (अरुणाचल प्रदेश के नविासी) को स्टेपल्ड वीज़ा जारी** करने की प्रतकि्रयिा में भारत ने यह कदम उठाया है।

- **स्टेपल्ड वीज़ा जारी करने की प्रथा वर्ष 2005 के आसपास शुरू हुई** और तब से चीन ने लगातार अरुणाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर के नविासयिों को ऐसे वीज़ा जारी कयि हैं।

स्टेपल्ड वीज़ा:

- स्टेपल्ड वीज़ा में पासपोर्ट पर मुहर नहीं लगाई जाती है, इसकी जगह एक अन्य कागज़ पर मुहर लगाकर पासपोर्ट के साथ स्टेपल (नत्थी) कयिा जाता है।
- नयिमति वीज़ा मुहर के साथ **पासपोर्ट में लगा होता है**, लेकनि स्टेपल्ड वीज़ा को पासपोर्ट के साथ पनि द्वारा नत्थी कयिा जाता है जसि कारण इस वीज़ा को अलग भी कयिा जा सकता है।
- स्टेपल्ड वीज़ा जारी करना **अरुणाचल प्रदेश** को लेकर **भारत के साथ चीन के चल रहे क्षेत्रीय ववािदों** का हसि्सा है।
- **चीन स्टेपल्ड वीज़ा को वैध मानता है, जबकि भारत** उसे वैध यात्रा दस्तावेज़ के रूप में **स्वीकार करने से इनकार** करता है।

नोट:

- सीमा पार अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करना पासपोर्ट और वीज़ा द्वारा ही संभव है, जो देश और राज्य की संप्रभुता तथा उसके शासन को दर्शाता है।
  - पासपोर्ट पहचान और नागरकिता का संकेत देता है, जबकि **वीज़ा वशिष्टि गंतव्यों में प्रवेश की अनुमत देता है।**
  - पासपोर्ट **मूल देश या वर्तमान नविास वाला देश** द्वारा जारी करता है, जबकि वीज़ा कसिी **बाह्य देश का प्रतनिधित्वि करने वाले दूतावास/वाणज्यि दूतावास** द्वारा जारी कयिा जाता है।

चीन द्वारा जारी स्टेपल्ड वीज़ा:

- **संप्रभुता पर ववािद:**
  - चीन अरुणाचल प्रदेश पर भारत की संप्रभुता को ववािदति मानता है और **तबि्बत एवं ब्रटिशि भारत के बीच** की सीमा [मैकमोहन रेखा](#) **की वैधता को** चुनौती देता है, जसि पर **वर्ष 1914 के शमिला समझौते** से सहमति बनी थी।
  - ववािदति क्षेत्र पर चीन द्वारा कयिा जाने वाले दावा [वास्तवकि नयिंत्रण रेखा (LAC)](#) पर असहमति को दर्शाता है, जसिके परणािमस्वरूप अक्सर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ जैसी समस्या देखने को मलिती है।
- **भारतीय क्षेत्र पर एकतरफा दावा:**

    - चीन **अरुणाचल प्रदेश के लगभग 90,000 वर्ग किमी.** के क्षेत्र को अपना क्षेत्र मानता है और चीनी मानचित्रों में इसे **"ज़ंगनान" या "दक्षिणी तिब्बत" के रूप में संदर्भित** करता है।
    - यह **अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों के लिये चीनी नामों** की सूची जारी करता है और समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को रेखांकित करता है।
- **भारत की संप्रभुता को कमज़ोर करना:**
    - अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से भारतीय नागरिकों को स्टेपल्ड वीज़ा जारी करना इन क्षेत्रों पर **भारत की संप्रभुता को कमज़ोर करने के चीन के प्रयासों का ही हिस्सा** है।
    - चीन की हरकतों को **भारत** अपने क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर **नियंत्रण और अधिकार को चुनौती** देने के प्रयासों के रूप में देखता है।

स्टेपल्ड वीज़ा का प्रभाव और संबंधित चिंताएँ:

- स्टेपल्ड वीज़ा यात्रियों के लिये भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति पैदा करता है, क्योंकि उसकी वैधता तथा स्वीकृति अलग-अलग होती है।
- भारत लगातार स्टेपल्ड वीज़ा की वैधता को अस्वीकार करता है और उन्हें जारी करने का विरोध करता है।
- चीन की इस प्रकार की कार्रवाइयाँ दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ाती हैं और द्विपक्षीय संबंधों को जटिल बनाती हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. "चीन अपने आर्थिक संबंधों और सकारात्मक व्यापार अधिशेष को एशिया में संभाव्य सैनिक शक्ति हैसियत को विकसित करने के लिये उपकरणों के रूप में इस्तेमाल कर रहा है"। इस कथन के प्रकाश में उसके पड़ोसी के रूप में भारत पर इसके प्रभाव की चर्चा कीजिये। (2017)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china-s-stapled-visas